

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-105

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

3×10=30

(क) इदानीं भूमिपालेन कृतकृत्याः कृताः प्रजाः।

रामाभिधानं मेदिन्यां शशाङ्कमभिषिञ्चता ॥

B-1570/BSKC-105

P. T. O.

अथवा

शत्रुघ्नलक्ष्मणगृहीतघटेऽभिषेके छत्रे

स्वयं नृपतिना रुदता गृहीते ।

सम्भ्रान्तया किमपि मन्थरया च कर्णे

राज्ञः शनैरभिहितं च न चास्मि राजा ॥

(ख) शान्तमिदमाशमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य ।

अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र ॥

अथवा

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं

मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।

इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी

किमिव हि मुधराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ॥

(ग) नन्दकुलकालभुजगीं कोपानलबहुलनीलधूमलताम् ।

अद्यापि बध्यमानां वध्यः को नेच्छति शिखां मे ॥

अथवा

श्यामीकृत्याननेन्दूनरियुवतिदिशां संततैः शोकधूमैः

कामं मन्त्रिद्रुमेभ्यो नयपवनहतं मोहभस्म प्रकीर्य ।

दग्ध्वा संभ्रान्तपौरद्विजगणरहितान् नन्दवंशप्ररोहा-

न्दाह्याभावान्न खेदाज्ज्वलन इव वने शाम्यति क्रोधवह्निः ॥

खण्ड—ख**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

2. संस्कृत नाट्य साहित्य का परिचय दीजिए। 5
3. नाटक की उत्पत्ति के सिद्धांत का वर्णन कीजिए। 5
4. रूपक किसे कहते हैं ? रूपक में भेदों का उल्लेख कीजिए। 5
5. आकाशभाषित और सूत्रधार का लक्षण लिखिए। 5
6. 'प्रतिमानाटकम्' पर टिप्पणी लिखिए। 5

खण्ड—ग**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के प्रथम अंक का सारांश लिखिए। 10
8. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक की ऐतिहासिकता का वर्णन कीजिए। 10
9. नाटकों का विकास किस प्रकार हुआ ? उल्लेख कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$$3 \times 5 = 15$$

(क) दुष्यन्त

(ख) विशाखदत्त

(ग) नान्दी

(घ) भरतवाक्य

× × × × ×